नवांकुर विद्यापीठ, गंजबासौदा

मासिक समाचार-पत्र

क्रमशः

अंक 53 माह-अगस्त 2012

प्रति,

_ _ _ _ _ _ _ _ _ _

_ _ _ _ _ _ _ _ _ _

_ _ _ _ _ _ _ _ _ _

_ _ _ _ _ _ _ _ _ _

प्रकाशक : नवांकुर प्रकाशन, गंजबासौदा दूरभाष : 221066, 220769, 223399

अन्दर के पृष्ठों पर

सार-समाचार	1
सज़्पादकीय	 4
स्कूल-इन्फो	 5
रा.से.यो.	 10
कैरियर	 11
बच्चों की कलम	14
अपना ज्ञान बढ़ायें	17
नन्हीं कूची	22

स्वतन्त्रता -दिवस की शुभकामनाएँ

सज़्पादक मण्डलः

शैलेन्द्रकुमार पिंगले ''सुमन''
सन्दीप रावत
अजीतसिंह बैस
योगेश चतुर्वेदी
राजेन्द्र यादव
सुनील भावसार
नीलेश जैन

सार-समाचार

विज्ञान ने खोजा ईश्वर का अंशः– भौतिकी की दुनिया में बड़ी छलाँग लगाते हुए स्विट्जरलैण्ड के यूरोपियन सेण्टर फॉर न्यूक्लियर रिसर्च (सर्न) के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि महाप्रयोग के दौरान उन्हें वे कण मिले हैं, जिनके गुण हिग्स बोसोन या 'गॉड पार्टिकल' में मिलते–जुलते हैं। ये वे कण हैं, जिनकी मददसे इस ब्रह्माण्ड का सृजन हुआ है। इसे ब्रह्माण्ड के रहस्य खोजने की दिशा में अहम कामयाबी माना जा रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार खोजे गये नये कण उन कणों से मेल खाते हैं, जिनसे 13 अरब साल पहले बिग बैंग (महाविस्फोट) की घटना के बाद तारों और ग्रहों का जन्म हुआ था।

अन्तरिक्ष में पहुँची सुनीता – भारतीय मूल की अमेरिकी अन्तरिक्ष–यात्री सुनीता विलियम्स ने कजाकिस्तान के बेकोनुर स्पेस स्टेशन से अन्तरिक्ष के लिए 15 जुलाई, रविवार को सुबह उड़ान भरी और 10 मिनट में ही वे अन्तरिक्ष में दाखिल हो गयीं। वे 3 सदस्यीय एक्सपीडीशन –32 टीम का हिस्सा हैं। यह सुनीता की दूसरी अन्तरिक्ष–यात्रा है। वे 4 महीनों तक अन्तरिक्ष में रहेंगी। सुनीता अपने साथ मेंढक और मछली ले गयी हैं, ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि वहाँ जीव किस तरह जिन्दा रह सकते हैं। यह मिशन नवम्बर में खत्म होगा।

वह अप्रैल में सोयी और जून में जागी – अभी तक तो पौराणिक कथाओं में कुम्भकर्ण के लगातार छः महीने तक सोने की खबरें सुनी थीं, मगर लन्दन में भी एक किशोरी की नींद ऐसी लगी कि वह अप्रैल में सोयी और जून में जागी। जी हाँ, सुनने में बिल्कुल अजीब लगता है, लेकिन यह घटना सच है। यह घटना 15 वर्षीय स्टेसी कॉमरफोर्ड के साथ हुई। इस नींद के कारण वह अप्रैल से जून के बीच अपने स्कूल की 9 परीक्षाएँ नहीं दे पायी और न ही अपना जन्मदिन मना पायी। ब्रिटेन के अखबार 'डेली मेल' के मुताबिक टेनफोर्ड निवासी 'स्टेसी क्लीन' लेबिन सिण्ड्रोम से पीड़ित है। इस बीमारी में एक

बार सोने पर व्यक्ति महीनों तक सोता रहता है।

ओलिम्पिक मे भारत का जलवा – 'वॉक–ए–माइल' में गूँजेगी भारतीय आवाज लन्दन ओलिम्पिक के उद्घाटन समारोह में एक गीत के लिए संगीत दे रहे ए.आर. रहमान के अलावा, खेलों से पूर्व

होने वाले एक विशेष कार्यक्रम में भी भारत का जलवा छाया। भारतीय संगीतकार अक्षय सरीन ओलिम्पिक से पूर्व 24 जुलाई को हुए समारोह में प्रस्तुति दी। 'हॉस्पिटल क्लब' में 'वॉक–ए– माइल' नाम से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिण्टन और उनकी पत्नी, अमेरिकी विदेश–मन्त्री हिलेरी क्लिण्टन, प्रथम अमेरिकी महिला मिशेल ओबामा, ब्रिटिश व्यवसायी रिचर्ड ब्रान्सन और विश्व के अरबपति निवेशक वॉरेन बफेट भी शामिल हुए।

मोहनलाल छीपा बने हिन्दी विवि. के पहले कुलपति – कुलाधिपति एवं राज्यपाल रामनेरश यादव ने प्रो. मोहनलाल छीपा को अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल का पहला कुलपति नियुक्त किया है। उनकी यह नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से चार वर्ष की अवधि अथवा 70 वर्ष तक की आयु के लिए होगी।

डिम्पल यादव निर्विरोध निर्वाचित होने वाली देश की पहली महिला बनीं – उ.प्र. के मुख्यमन्त्री अखिलेश यादव की पत्नी डिम्पल यादव ने कन्नौज

लोकसभा सीट के उपचुनाव में निर्विरोध निर्वाचित होकर एक इतिहास रच दिया। अविभाजित उ. प्र. की वह तीसरी ऐसी प्रत्याशी हैं, जो निर्विरोध, निर्वाचित घोषित की गयी हैं। यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह देश की पहली महिला प्रत्याशी हैं।

अमरीका ने बनाया सबसे तेज सुपर कम्प्यूटर– अमरीकी कम्पनी आईबीएम ने दुनिया का सबसे तेज सुपर कम्प्यूटर बना दिया है। 'सिक्वोया' नामक यह मशीन एक सेकण्ड में हजारों अरब गणनाएँ करने में सक्षम है। सिक्वोया एक घण्टे में जितनी गणनाएँ करेगा, उन्हें 6.7 अरब लोग हाथ में कैलकुलेटर लेकर 320 साल में भी पूरी नहीं कर पायेंगे।

भारत के सिर सजा मिस एशिया पैसिफिक –2012 का खिताब – म.प्र. के इन्दौर की रहने वाली हिमांगिनी यदु ने मिस एशिया पैसिफिक–2012 का ताज जीत लिया है। 12 साल में यह ताज जीतने वाली हिमांगिनी पहली भारतीय हैं। हिमांगिनी ने दक्षिण कोरिया के शहर बुसान में आयोजित फायनल में भारत का परचम लहराया।

पाँच साल बाद भारत में खेलेगा पाकिस्तान – भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट के रोमांच को पसन्द कने वालों के लिए खुशखबरी– पाकिस्तानी टीम दिसम्बर में भारत दौरे पर आयेगी। दोनों टीमों के बीच पाँच साल बाद पहली वनडे–सीरीज होगी। सूत्रों के

क्रोध मूर्खता से शुरू होता है और पश्चात्ताप पर खत्म होता है।

मुताबिक दोनों टीमों के बीच 3 वनडे–मैच और टी–20 मैच खेले जायेंगे।

नडाल ने 7 वीं बार फ्रेंच ओपन जीता–गत चैम्पियन स्पेन के रफेल नडाल ने विश्व के नम्बर एक खिलाड़ी सार्बिया के नोवाक जोकोविच को हराकर रिकॉर्ड सातबी बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीत लिया। क्लेकोर्ट के बेताज बादशाह नडाल का यह 11 वाँ ग्रैण्ड स्लैम खिताब है।

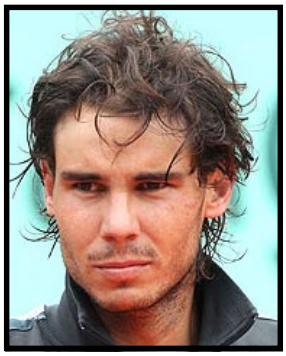

साइना का थाइलैण्ड और इण्डोनेशियाई ओपन पर कब्जा – भारतीय स्टार साइना नेहवाल ने दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैण्ड की रत्वानोक इन्थानोन को एससीजी थाईलैण्ड ओपन बैडमिण्टन टूर्नामेण्ट में हराकर खिताब जीत लिया। साइना ने इससे पहले मार्च में बेसल में स्विस ओपन का अपना खिताब पुनः जीत लिया। उन्होंने इण्डोनेशियाई ओपन सुपर सीरीज के फाइनल में चीन की ली ज्युरेई को पराजित करके इस साल का तीसरा बड़ा खिताब जीत लिया।

बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार राजेशखन्ना का निधन – बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना का बान्द्रा में उनके निवास 'आशीर्वाद' पर निधन हो गया। वे 69 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से किडनी की समस्या से पीड़ित थे।

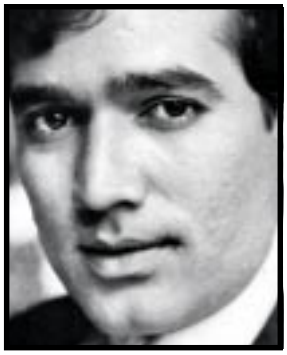

कुश्ती के सरताज दारासिंह पंचतत्त्व में विलीन – विश्व–विख्यात पहलवान, बॉलीवुड के सुपर स्टार हीरो और टी.वी. 'हनुमान' दारा सिंह का निधन हो गया। अभी क्रिकेट को लेकर लोगों में जैसी दीवानगी है, ठीक उसी तरह 1950–60 के दशक में जनता दारा की दीवानी थी। उन्होंने 500 पेशेवर कुशतियाँ जीतीं और 1968 में विश्व–चैम्पियन का खिताब जीता।

प्रणब दा अब महामहिम – संप्रग उम्मीदवार प्रणब मुकर्जी देश के 13 वें राष्ट्रपति चुन लिये गये। जहाँ प्रणब दा को लगभग 713763 मत मिले हैं, वहीं दूसरी और एनडीए के उम्मीदवार पी.ए. संगमा को मात्र 315967 मतों से सन्तोष करना पड़ा।

संकलनकर्त्ता –सुनील भावसार (उ.श्रे.शि.)

माह अगस्त-सितम्बर में जन्मदिन वाले सभी विद्यार्थियों को नवांकुर-परिवार का

शुभाशीष!

सम्पादकीय

प्रिय विद्यार्थियो

नये सत्र में एक बार फिर विद्यालय–परिवार आपका हार्दिक अभिनन्दन करता है। नये सत्र में आप सफलता के नये कीर्तिमान रचें तथा अपना, अपने माता–पिता एवं विद्यालय का नाम रौशन करें, ऐसी शुभकामनाओं के साथ हम सभी एक बार फिर नये जोश के साथ आपका मार्गदर्शन करने तैयार हैं। हम सभी जानते हैं कि सफलता–प्राप्ति का मार्ग आसान नहीं होता है। लक्ष्य का पीछा करते समय हमें बहुत–सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, लेकिन यदि हमारे अन्दर हार न मानने तथा अनुभव से सीखने की प्रवृत्ति है, तो कोई कठिनाई हमें रोक नहीं सकती और हमारी सफलता सुनिश्चित है। इसलिए विद्यार्थियो! उठो और भागो अपनी मंजिल की ओर। भागो, जितना तेज भाग सकते हो, क्योंकि वर्तमान समय रुकने का नहीं चलने का है। सोचने का नहीं, कुछ कर दिखाने का है। इसलिए विद्यार्थियो! अपना एक लक्ष्य बनाओ और उसकी प्राप्ति में जी–जान लगा दो, लेकिन आजकल एक और गम्भीर समस्या हमारे बीच है। वह है हमारे नैतिक पतन की, हमारी संस्कृति के क्षरण की। आज इस प्रतिस्पर्धी जीवनशैली में हम भाग तो बहुत तेज रहे हैं, लेकिन हम अपनी पहचान तो कहीं पीछे ही छोड़ते जा रहे हैं। यदि ऐसा ही चलता रहा, तो हमारा अस्तित्व ही नष्ट हो जायेगा। हम सभी जानते है कि ईश्वर ने इस संसार में प्रत्येक चीज में कुछ विविधता दी है और यही उसकी पहचान है। ऐसी ही विविधता हमारी भारतीय संस्कृति की है। हमें इसे बनाये रखते हुए आगे बढ़ना है। हमें हमारे प्रतिस्पर्धी से आगे निकलना है, ताकि वह हमारे जैसा बनना चाहे, न कि हमें उसके जैसा बनना है। अन्त में मैं बस यही कहूँगा कि आप भविष्य में जो भी बनें, लेकिन सबसे पहले एक अच्छा इंसान बनें। एक सच्चा भारतीय बनें, ताकि न केवल आपका परिवार, बल्कि पूरा भारत आप पर गर्व करे।

उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ.....

–योगेश चतुर्वेदी (व्याख्याता– भौतिकशास्त्र)

श्रद्धांजलि (शहीदों के लिए)

मुझे वो दिन याद नहीं,
जब मैंने उन्हें सोते देखा था।
चैन नहीं था आराम नहीं था,
मातृभूमि की सेवा के अलावा,
कोई काम नहीं था।
जब हम थे गुलामी के अन्धकारों में,
बेड़ियाँ थीं भारत माता के पैरों में।
मुझे वो दिन याद नहीं,
जब मैंने उन्हें हँसते देखा था,
भारत माता की आन के लिए,
वो चलते जा रहे थे।
वन्दे मातरम्, जन–गण–मन,
तिरंगा लिए, गुन–गुना रहे थे।
झूल गये थे फन्दों पर,
होठों पर मुस्कान लिए।
उनके चेहरे फिर भी,
चमचमा रहे थे।
मुझे वो दिन याद है,
जब उनमें साहस था।
मुझे याद है वो,
हमें सिखा गये बलिदान होना।
नहीं था उनमें लालच,
नहीं थी उनमें प्रसिद्धि की इच्छा।
उनमें था विश्वास,
स्वाभिमान, महत्त्वाकांक्षा।
आज भी है वो,
शून्य में, नभ में।
चमचमाते सूरज के साथ,
शीतल चाँदनी के साथ।
काली अन्धियारी रात में,
आज भी हमें उन पर विश्वास है।
जो हमारे पथ–प्रदर्शक हैं,
हमारे पूजनीय हैं।
जो आज भी हमें,
राह दिखाते हैं, सितारों की तरह।

–नीलेश जैन (सहा.शिक्षक–डॉल्फिन)

स्कूल इन्फो

मैरिट सूची–2012

क्र.	नाम	पिता का नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	स्थान
कक्षा–12 (जीव–विज्ञान)					
01	कु. वैशाली दाँगी	श्री भगवतसिंह	461/500	92.2%	प्रथम
02	अभय कुमार लोधी	श्री कोमलप्रसाद	419/500	83.8%	द्वितीय
03	क. अनामिका परमार	श्री विजय सिंह	377/500	75.4%	तृतीय
कक्षा–12 (गणित)					
01	प्रदीप राजूपत	श्री अमोलसिंह	466/500	93.2%	प्रथम
02	संजय रघुवंशी	श्री भीमसिंह रघुवंशी	462/500	92.4%	द्वितीय
03	रुचि राय	श्री सन्तोष कुमार	452/500	90.4%	तृतीय
कक्षा–12 (वाणिज्य)					
01	कु. प्रियंका रघुवंशी	श्री रामकृष्ण रघुवंशी	443/500	88.6%	प्रथम
02	कु. आकांक्षा बघेल	श्री घनश्याम सिंह	417/500	83.4%	द्वितीय
03	कु. दीपिका दाँगी	श्री अजयसिंह दाँगी	391/500	78.2%	तृतीय
कक्षा–10					
01	कु. उमा दाँगी	श्री धीरज कुमार दाँगी	574/600	95.66%	प्रथम
02	कु. रश्मि दाँगी	श्री प्रभानसिंह	558/600	93.0%	द्वितीय
03	निखिलेश चौधरी	श्री राजेश चौधरी	554/600	92.3%	तृतीय

कु. उमा दाँगी (कक्षा–१०)

जिले में प्रथम स्थान

शुभकामनाएँ

प्रदीप राजपूत (कक्षा–१२, गणित)

जिले में द्वितीय स्थान

अनिवार्य–शिक्षा–अधिनियम के अन्तर्गत नवांकुर विद्यालय की शिशु कक्षा में प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

क्र.	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	पता
1	कु. कीर्ति अहिरवार	श्री माखन अहिरवार	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं 8
2	कु. पलक अहिरवार	श्री संतोष अहिरवार	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं 8
3	देव अहिरवार	श्री बहादुरसिंह अहिरवार	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं 8
4	अभिराज अहिरवार	श्री रामबाबू अहिरवार	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं 8
5	विशाल अहिरवार	श्री माखन सिंह	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं 8
6	धर्मेन्द्र अहिरवार	श्री दुर्गेश अहिरवार	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं 8
7	कु. सानिया बी	श्री अब्दुल सतार मंसूरी	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं 8
8	कु. मुस्कान	श्री बब्लू	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं 8
9	कु. शारदा मालवीय	श्री राजू मालवीय	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं 8
10	जतिन यादव	श्री राकेश यादव	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं 8
11	अरहम सा	श्री हसीन सा	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं 8
12	सुमित कुशवाह	श्री पप्पू सिंह कुशवाह	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं 8
13	आदिल खाँ	श्री उमर खाँ	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं 8
14	कु. कीर्ति शर्मा	श्री नन्दकिशोर शर्मा	बर्फ–फैक्ट्री, के पास वार्ड नं. 8
15	कु. अम्बिका विश्वकर्मा	श्री दुर्गेश विश्वकर्मा	बरेठ रोड, वार्ड नं. 6
16	ध्रुव साहू	श्री सूरज साहू	बीजासन माता–मन्दिर, वार्ड नं. 6
17	कु. राधिका विश्वकर्मा	श्री बृजेश विश्वकर्मा	लड्ढा एजेंसी गली, वार्ड नं. 6
18	रामकृष्ण विश्वकर्मा	श्री अशोक विश्वकर्मा	लड्ढा एजेंसी गली, वार्ड नं. 6
19	कु. वैष्णवी राजपूत	श्री पद्म सिंह राजपूत	बीजासन माता–मन्दिर वार्ड नं. 5
20	कु. निधि अहिरवार	श्री प्रेमनारायण अहिरवार	गौशाला, त्यौंदा रोड, वार्ड नं.10
21	मनीष अहिरवार	श्री देवीराम अहिरवार	गौशाला, त्यौंदा रोड, वार्ड नं.10
22	कु. संयोगिता तिवारी	श्री रामप्रकाश तिवारी	इन्द्रानगर, त्योंदा रोड, वार्ड नं.14
23	कु. रश्मि अहिरवार	श्री उमरावसिंह	बेदनखेड़ी टपरिया, वार्ड नं. 8
24	कु. खुशबू साहू	श्री राजेश साहू	भावसार कुआँ के पास, वार्ड नं. 6
25	कु. राखी अहिरवार	श्री गेंदालाल	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं. 8
26	रितिक विश्वकर्मा	श्री निरंजन विश्वकर्मा	विद्याश्री लॉज के पास, वार्ड नं. 9
27	रिहान खाँ	श्री रफीक खाँ	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं. 8
28	कु. सोनम अहिरवार	श्री गिरवरसिंह	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं. 8
29	कु. दीक्षा विश्वकर्मा	श्री विनोद विश्वकर्मा	लड्ढा एजेंसी गली वार्ड नं. 6
30	कु. खुशी चिड़ार	श्री महेन्द्र चिडार	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं. 8

तलवार की चोट उतनी तेज नहीं होती, जितनी जवान की।

क्र.	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	पता
31	कु. फौजिया बानो	श्री हजरत अली	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं. 8
32	कु. सलोनी कुशवाह	श्री बाबूलाल कुशवाह	पुराने बस–स्टेण्ड के सामने, वार्ड नं. 9
33	अनीश सा	श्री हसीन सा	बेदनखेड़ी टपरिया वार्ड नं.8
34	अरबाज खान	स्व. श्री इरफान खान	दुर्गानगर त्यौंदा रोड, वार्ड नं. 14
35	राजा सा	श्री नवाब सा	अयोध्या–बस्ती, बेदनखेड़ी, वार्ड नं. 8
36	कु. रिया वर्मा	श्री रवि वर्मा	फ्रीगंज, वार्ड नं.1
37	अनुराग सेन	श्री राजेश सेन	गीता टाकीज के पीछे, वार्ड नं 5
38	कु. राधिका परिहार	श्री आशाराम परिहार	लड्ढा एजेंसी गली, वार्ड नं.6
39	कु. भूमिका परिहार	श्री वीरेन्द्र परिहार	बीजासन माता–मन्दिर गली, वार्ड 6
40	प्रिंस राय	श्री लालाराम राय	लड्ढा एजेंसी गली, वार्ड नं. 6
41	दिलीप राय	श्री विजय कुमार	लड्ढा एजेंसी गली, वार्ड नं. 6
42	कु. रिया सोनी	श्री मनमोहन सोनी	लड्ढा एजेंसी गली, वार्ड नं. 6
43	कार्तिक साहू	श्री जगदीश साहू	लड्ढा एजेंसी गली, वार्ड नं. 6
44	शिवम भावसार	श्री कल्लू भावसार	लड्ढा एजेंसी गली, वार्ड नं. 6
45	कु. निशा रैकवार	श्री मन्नू रैकवार	चार खम्बा गली, वार्ड नं. 6
46	ललित अहिरवार	श्री गोपाल अहिरवार	लड्ढा एजेंसी गली, वार्ड नं. 6

स्वयं–सेवकों ने किया विश्व–जनसंख्या–दिवस पर चिन्तन

विश्व–जनसंख्या–दिवस पर नवांकुर विद्यापीठ की राष्ट्रीय सेवा–योजना–इकाई द्वारा **''जनसंख्या वृद्धि–कारण एवं निदान''** विषय पर एक वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन बड़े उत्साहपूर्वक किया गया, जिसमें रासेयो के सभी स्वयंसेवकों एवं शिक्षकों ने अपने–अपने विचार जनसंख्या–वृद्धि पर दिये कार्यक्रम का शुभारम्भ रासेयो गीत 'आओ जवान आओ' से हुआ।

स्वयंसेवक रोहित कुर्मवंशी कक्षा–12 ने कहा कि जनसंख्या–वृद्धि एक विराट समस्या के रूप में उपस्थित है, जिसे रोकना हम सभी का दायित्व है। स्वयं सेवक अरविन्द रघुवंशी ने कहा कि किसी देश के लिए जनंसख्या तभी महत्त्वपूर्ण होती है, जब वह एक निश्चित अनुपात में बढ़े।

कैरियर प्रकोष्ठ–प्रभारी सन्दीप रावत ने बताया कि जनसंख्या–वृद्धि को रोकने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझना होगी, तभी जनसंख्या पर नियन्त्रण हो सकेगा। रासेयो कार्यक्रम–अधिकारी हरिओम शरण शर्मा ने जनसंख्या–वृद्धि पर माल्थस के जनसंख्या सिद्धान्त एवं अनुकूलतम जनंसख्या–सिद्धान्त की व्याख्या की।

बाल–मित्र–योजना–प्रभारी योगेश चतुर्वेदी ने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि हम सभी को जागरूक होकर एवं वर्तमान की समस्याओं को ध्यान में रखकर परिवार–नियोजन को अपनाना ही पड़ेगा। आचार्य रोमेश बक्षी ने जनसंख्या–दिवस पर जनसंख्या–वृद्धि से होने वाले दुष्प्रभावों से समाज को बचाने पर बल दिया।

कार्यक्रम का समापन **'हम होंगे कामयाब'** गीत' से हुआ।

The list of students of Dolphin school admitted in Nursery under RTE,2012

No.	Name of Student	Father's Name	Address
1	KU. KHUSHI AHIRWAR	Mr.HIMMAT SINGH AHIRWAR	AYODHYA BASTI, WARD NO.08
2	KU SNEHA AHIRWAR	Mr. RAJESH KUMAR	AYODHYA BASTI, WARD NO.08
3	PANKAJ AHIRWAR	Mr. KAMLESH AHIRWAR	AYODHYA BASTI, WARD NO.08
4	KU. KASHISH SONI	Mr. SANTOSH	AYODHYA BASTI, WARD NO.08
5	KU. TAMNNA NAMDEV	Mr. RAKESH	AYODHYA BASTI, WARD NO.08
6	KU. GARIMA DANGI	Mr. RAJENDRA SINGH	AYODHYA BASTI, WARD NO.08
7	ANAS SA	Mr. NAWAB SA	AYODHYA BASTI, WARD NO.08
8	DIVYANSH SONI	Mr. MAHESH	NEAR DHANSHREE JEWELLERS
9	YOGESH MALVIYA	Mr. SANJEEV	AYODHYA BASTI, WARD NO.08
10	MAUSAM RAJPUT	Mr. BHUPENDRA SINGH	AYODHYA BASTI, WARD NO.08
11	SAKSHAM JATAV	Mr. SUNIL	LADDHA AGENCY GALI, WARD NO. 06
12	KU. VAISHNAVI YADAV	Mr. DINESH	NALE PAR, WARD NO.06
13	SAHIL VISHWAKARMA	Mr. PRAMOD	GAYTRI NAGAR, WARD NO.06
14	KU. RADHIKA RAGH.	Mr. JASWANT SINGH	BIJASAN MATA MANDIR GALI, WARD-06
15	DHRUV KUMAR MALVIYA	Mr. RAJESH	ATAL BIHARI COLONY, WARD NO. 05
16	BHANU TARAL	Mr. DINESH KUMAR	NAI BASTI, WARD NO.04
17	ANSH SILORIYA	Mr. VEERENDRA	RAVIDAS COLONY, WARD NO.04
18	ANURAG AHIRWAR	Mr. KAMLESH	SINDHI COLONY, WARD NO.09
19	HARSH CHOUDHARY	Mr. SANTOSH	SINDHI COLONY, WARD NO. 09
20	SAWAN CHOUDHARY	Mr. HARIOM	SINDHI COLONY, WARD NO.09
21	SOMIL SEN	Mr. MAHESH	NAI BASTI, WARD NO.03
22	KU. NEELAM RAIKWAR	Mr. GOVIND	PATHAR MOHALLA, WARD NO.18
23	HARSHIT YADAV	Mr. SUNIL	PATHAR PURA, WARD NO.18
24	ARUN SAHU	Mr. ARVIND	CHAKK BAGROD
25	KU. GOURI BHARGAV	Mr. GAJANAND	KULHAR
26	KU. BHUMIKA SARKAR	Mr. AMIT	KULHAR
27	PRADYUMN TIWARI	Mr. RAJU	KHERODA
28	MUSKAN AHIRWAR	Mr. BHAGVAN DAS	NASIDPUR
29	KU. KARNIKA YADAV	Mr. DHARMENDRA	PACHMA ROAD, WARD NO. 8
30	KU. JIYA DIWAKAR	Mr. MANISH	NAI BASTI, WARD NO. 4
31	ADARSH KUMAR SADH	Mr. PRADEEP KUMAR	BARETH ROAD, WARD NO. 6

तीन सच्चे मित्र हैं– बूढ़ी पत्नी, पुराना कुत्ता और पास का धन।

प्रिय विद्यार्थियो,

नवीन सत्र में आपका स्वागत है। जैसा कि आप जानते हैं, हर माह विद्यालय में सम्पन्न मासिक मूल्यांकन में सर्वाधिक अंक पाने वाले विद्यार्थी को कक्षानायक के रूप में समारोहपूर्वक मेरिट–कार्ड प्रदान किया जाता है। हमारा यह मेरिट–कार्ड कुछ इसलिये भी खास होता है, क्योंकि इसके माध्यम से हम कोई–न–कोई महत्त्वपूर्ण जानकारी विद्यार्थियों तक पहुँचाने का प्रयास करते हैं। हमारे इस वर्ष के मेरिट–कार्ड को हम प्रसिद्ध भारतीय व्यक्तित्व को समर्पित करने जा रहे हैं, जिससे वर्ष भर हर माह विद्यार्थियों का किसी–न–किसी महान् भारतीय के जीवन व उसके व्यक्तित्व को जानने का अवसर मिलेगा। आशा है, आप इनके जीवन से प्रेरणा लेकर नयी–नयी उपलब्धियाँ हासिल करेंगे, तो आइये जानते हैं, इस वर्ष के दो माह के मेरिट कार्ड के बारे में ।

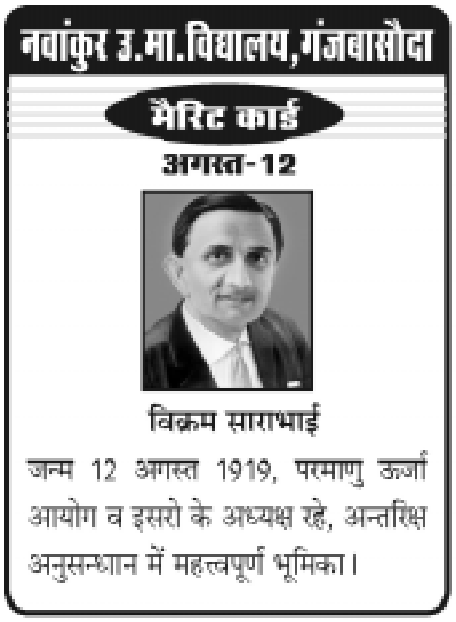

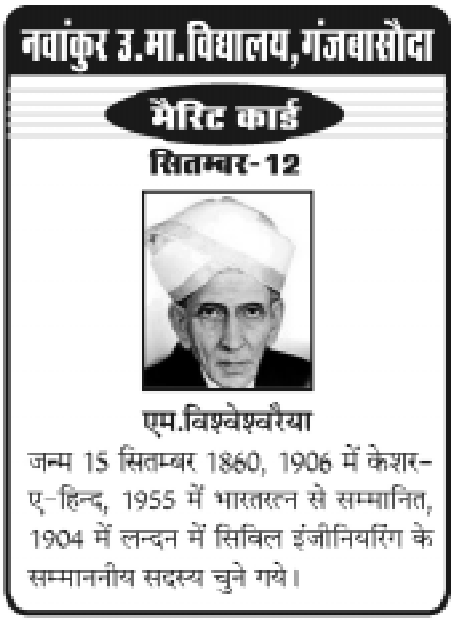

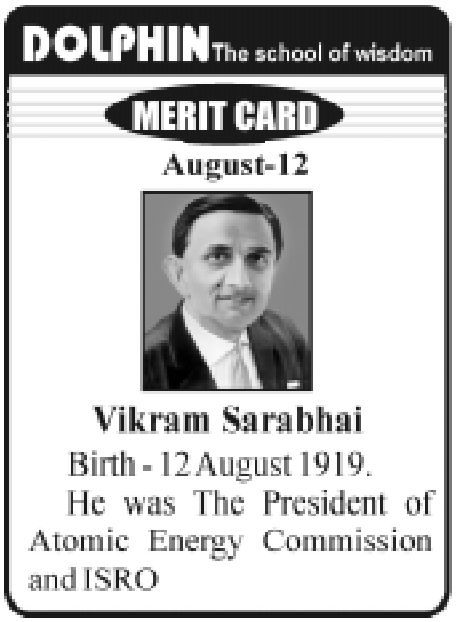

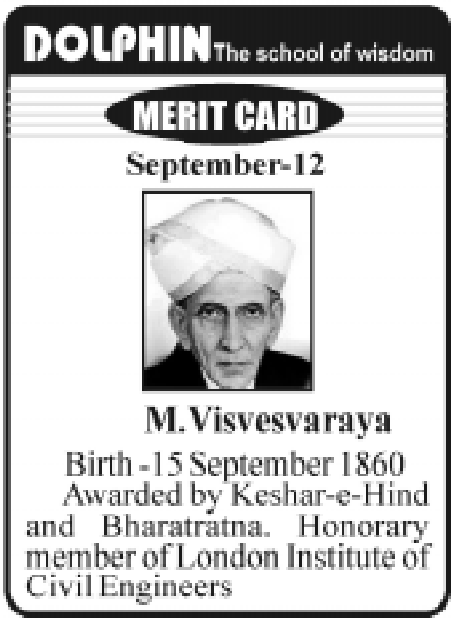

–**संदीप रावत** (व्याख्याता रसायनशास्त्र)

राष्ट्रीय सेवा योजना – वार्षिक कार्य–योजना

क्र.	दिनांक	कार्य–दिवस–कार्यक्रम	कार्यक्रम में प्रसारित कार्यक्रम
01	27.07.12	छात्र–अभिमुखीकरण–कार्यक्रम	स्वयंसेवकों को रासेयो से परिचित कराना, मार्गदर्शन देना, उपलब्धियों, नियमित एवं शिविरीय गतिविधियों की जानकारी देना।
02	15.08.12	स्वतन्त्रता–आन्दोलन–दिवस	स्वतन्त्रता–दिवस–कार्यक्रमों का आयोजन,
03	05.09.12	शिक्षक–दिवस	शिक्षक–दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन,
04	08.09.12	विश्व–साक्षरता–दिवस	साक्षरता–दिवस पर साक्षरता पर विशेष ध्यान, संकल्प, गाँव–बस्ती पर गरीब बच्चों को साक्षर बनाने का अभियान चलाना,
05	14.09.12	हिन्दी–दिवस	हिन्दी–दिवस पर हिन्दी–व्याख्यान–कला का आयोजन,
06	24.09.12	राष्ट्रीय सेवा–योजना–दिवस	राष्ट्रीय सेवा–योजना–दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन,
07	01.10.12	स्वैच्छिक–रक्तदान–दिवस	छात्रों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना,
07	14.10.12	विश्व–हाथ–धुलाई–दिवस	बच्चों को साफ–सफाई के लिए प्रेरित करना,
08	24–30.10.12	यातायात–सप्ताह	यातायात–सप्ताह पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन,
09	01.12.12	विश्व एड्स–दिवस	एड्स–जागरूकता–दिवस पर व्याख्यान–माला का आयोजन,
10	12 01.13	राष्ट्रीय युवा–दिवस	युवा–दिवस पर विवेकानन्दजी के चरित्र का प्रस्तुतीकरण,
11	25.01.13	मतदाता–दिवस	मतदाता–जागरूकता–दिवस पर विशेष अभियान चलाना।

रोजगार–उन्मुखीकरण–कार्यक्रमों के अन्तर्गत वार्षिक गतिविधियाँ

क्र.	माह	दिनांक	कार्यक्रम
01	जुलाई	28.07.12	सामान्य रोजगार–क्षेत्रों की जानकारी, स्वरोजगार के लिए अभिप्रेरणा, रोजगार–कार्यक्रम के माध्यम से जागरूकता, रोजगार के लिए योग्यता का स्तर विभिन्न विषयों के माध्यम से रोजगार का चयन।
02	अगस्त	28.08.12	कक्षा–10 के बाद रोजगार–मूलक विषयों का चयन एवं उपलब्धियाँ 10+2 के बाद रोजगार की असीम सम्भावनाएँ, रोजगार के लिए उपयोगी आवश्यक प्रमाण–पत्र एवं डिग्रियाँ व डिप्लोमा।
03	सितम्बर	29.09.12	गणित विषय के साथ रोजगार एवं डिग्री व डिप्लोमा व प्रतियोगी परीक्षाएँ, जीवविज्ञान व भौतिक, रसायन के साथ रोजगार–मूलक डिप्लोमा व डिग्री, कम्प्यूटर के क्षेत्र में असीम रोजगार की सम्भावनाएँ।
04	अक्टूबर	20.10.12	वाणिज्य विषय के साथ रोजगार के अवसर E- Commerce.E Banking एवं Management के क्षेत्र में रोजगार के भारी अवसर व विभिन्न भारतीय कम्पनियों में विभिन्न पदों पर रोजगार के अवसर।

घर में मेल होना पृथ्वी पर स्वर्ग के समान है।

कैरियर

कैरियर की दृष्टि से आज का दौर प्रतिस्पर्द्धा का दौर कहा जाता है। आज दुनिया बड़ी तेजी से बदल रही है और हर क्षेत्र में जबरदस्त प्रतिस्पर्द्धा है। ऐसे में अपने कैरियर की सही तरीके से प्लानिंग करने वाला ही सफलता की बुलन्दियाँ छू पाता है। ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में अच्छे कैरियर के लिए प्रतियोगिता दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, ऐसे में कैरियर की अर्ली प्लानिंग कर अपने लक्ष्य का निर्धारण करने वाला अपेक्षाकृत जल्दी कामयाबी हासिल करता है, क्योंकि जब लक्ष्य स्पष्ट हो, तो दोगुने जोश के साथ मेहनत कर उस ओर बढ़ा जा सकता है, इसलिए कैरियर की अर्ली प्लानिंग बहुत जरूरी है।

कब हो कैरियर की अर्ली प्लानिंग– कैरियर की अर्ली प्लानिंग का सब से उचित समय 10वीं कक्षा पास करने बाद माना जाता है, 10वीं की परीक्षा समाप्त होने के बाद 11वीं में किस विषय का चयन किया जाये, इस प्रश्न में स्टूडैण्ट्स और अभिभावक दोनों उलझ जाते हैं, यही वह समय होता है, जब चुना गया विषय कैरियर की उस पुख्ता नींव का निर्माण करता है, जिस पर आगे चल कर सफलता की इमारत खड़ी होती है, बस जरूरत है उचित मार्गदर्शन की, जो टीचर, अभिभावक, काउंसलर आदि से लिया जा सकता है, यह जरूरी है कि स्टूडैण्ट्स अपनी अभिरुचि, योग्यता और क्षमता का मूल्यांकन कर 10वी के बाद उपयुक्त विषय का चयन करें और कामयाबी की राह पर पूरी हिम्मत और क्षमता से निर्धारित लक्ष्य को पाने के लिए आगे बढ़ें।

आमतौर पर 11वीं कक्षा में प्रवेश के समय प्रमुख रूप से 5 विषयों में से किसी एक का चयन किया जाता है, जो स्टूडैण्ट्स के लक्ष्य को निर्धारित करता है, ये 5 विषय हैं, गणित, जीवविज्ञान, कृषि, वाणिज्य तथा कला, इनमें से अप अपनी रुचि और क्षमता के मुताबिक किसी एक का चयन कर सकते हैं।

ऐसे करें विषय का चयन – किसी भी विषय का चयन करते समय अपनी रुचि विजन और प्रतिदिन को सर्वोपरि रखें, साथ ही आत्मचिन्तन कर यह जानें कि आप अपना कैरियर किस क्षेत्र में बनाना चाहते हैं ? दुविधा के चलते स्टूडैण्ट्स अकसर बिना रुचि के विषय चुन लेते हैं, ऐसी भ्रामक स्थिति से बचने के लिए अपने व्यक्तित्व की पहचान करें, इस से आप आसानी से यह जायेंगे कि कैसा और किस क्षेत्र में कैरियर आपके लिए सही रहेगा, इस के लिए आप सैल्फ असेसमैण्ट टूल्स जैसे कैरियर टेस्ट का भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जो आज इण्टरनेट पर आसानी से मिल जाते हैं। हमेशा याद रखें, जिस विषय व क्षेत्र में आप का रुझान है, आप उसी क्षेत्र में बेहतर काम कर सकते हैं। इसलिए विषय का चयन करते समय अपनी रुचि और क्षमता से बिलकुल समझौता न करें। हाँ, कैरियर का चयन करने से पहले अपने टीचर्स, अभिभावक ओर दोस्तों से सलाह–मशवरा अवश्य करें, लेकिन अन्तिम निर्णय खुद लें, क्योंकि खुद के बारे में जितना हम जानते हैं, उतना कोई नहीं जानता।

किसी विषय को कमतर न समझें:– सामान्यतयः स्टूडैण्ट्स और अभिभावक की यह अवधारणा होती है कि साइंस विषय लेने से कामयाबी जल्दी मिलती है, लेकिन यह सोच औचित्यविहीन है, क्योंकि साइंस विषय लेना कामयाबी की गारण्टी नहीं। आज सभी विषय कैरियर के लिहाज से बहुत उपयोगी साबित हो रहे हैं।

कभी यह न सोचें कि डॉक्टरी, इंजीनियरिंग या मैनेजमेण्ट की पढ़ाई ही महत्त्वपूर्ण है। कैरियर के लिहाज से आज कॉमर्स और आर्ट्स भी बहुत महत्त्वपूर्ण हैं, इसके अलावा भी बहुत–से ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें विषयों का बन्धन नहीं होता, उन क्षेत्रों में भी स्टूडैण्ट्स के लिए अपार मौके हैं। इनमें बैंक, रेलवे, एसएससी, फोर्स, मैनेजमैण्ट आदि प्रमुख हैं।

कैरियर प्लानिंग के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण तथ्य

– कैरियर प्लान करते समय अपने क्षेत्र से जुड़ी छोटी–बड़ी बातों का पूरा ध्यान रखें। विषय चयन से पहले स्टूडैण्ट्स खुद की क्षमता और रुचि को सामने रख सम्बन्धित क्षेत्रों में सम्भावनाओं के बारे में पता करने के बाद ही पूरी तैयारी के साथ विषय लें। कैरियर की प्लानिंग पर आपका पूरा भविष्य निर्भर करता है, इसलिए ऐसे में निम्नलिखित बातों का ध्यान में रखना चाहिए।

स्टूडैण्ट्स के लिए :–

1. कैरियर का चयन करते समय सबसे पहले अपनी रुचि, इच्छा, ताकत और प्रतिभा का मन्थन करें।
2. परीक्षा में हासिल किये गये अंकों को विषय–चयन करने का आधार न बनायें, अपने मन की आवाज सुनें और उसी विषय को चुनें, जिसमें आप की पकड़ मजबूत हो।
3. आमतौर पर स्टूडैण्ट्स अपने फ्रैण्ड्स की देखा–देखी कैरियर का चयन कर लेते हैं। यह आपके कैरियर के लिए बहुत घातक है, क्योंकि सभी स्टूडैण्ट्स की रुचि, क्षमता और महत्त्वाकांक्षाएँ अलग–अलग होती है।
4. कुछ स्टूडैण्ट्स अपनी क्षमता को दरकिनार कर बहुत बड़ा लक्ष्य रख लेते हैं, जिसका परिणाम अच्छा नहीं होता। बड़ा लक्ष्य रखना गलत नहीं, लेकिन उस के लिए अपनी क्षमताओं और सीमाओं का सही मूल्यांकन करना भी तो जरुरी है।
5. इस भ्रम में बिल्कुल न पड़ें कि साइंस लेने से सफलता मिल ही जायेगी। वर्तमान समय में कोई विषय कमतर नहीं है, सभी में अपार सम्भावनाएँ हैं और किसी क्षेत्र में कामयाबी पाने का मन्त्र है, कड़ी मेहनत।

अभिभावकों के लिए – अभिभावकों से बेहतर किशोरों का और कोई मार्गदर्शन नहीं कर सकता। किशोरों के सबसे पहले रोल मॉडल और काउंसलर अभिभावक ही होते हैं। इसलिए अभिभावकों को चाहिए कि वे किशोरों के विषय और कैरियर–चयन में निम्नलिखित बातों का ध्यान रखें।

1. किशोरों की रुचि और भावनाओं का सम्मान करें। उन की रुचि और क्षमता को ध्यान में रख कर ही कैरियर या विषय का चयन करने की सलाह दें।
2. कई बार किशोरों पर पेरैण्ट्स अपनी मरजी का कैरियर थोपने की कोशिश करते हैं। ऐसा करना उचित नहीं है। अभिभावकों को चाहिए कि वे किशोरों को उस दिशा में आगे बढ़ायें, जहाँ सही मायने में वे अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।
3. किशोरों के साथ सख्ती से पेश न आयें। उनके साथ मित्रवत व्यवहार करें, इससे वे आपके सामने खुलकर अपनी समस्याओं और इच्छाओं को शेयर करेंगे।
4. जनरल नौलेज पर किशोरों के साथ ग्रुप–डिस्कशन करते रहें। साथ ही, उन्हें गलत संगत के कुपरिणामों के बारे में बतायें।

– नवांकुर–पुस्तकालय से
–संकलन कु अफसाना शेख (पुस्तकालय–प्रभारी)

जनसंख्या–दिवस पर आयोजित रासेयो–कार्यक्रम

रासेयो का छात्र–अभिमुखीकरण–कार्यक्रम

जीवविज्ञान में कैरियर

1. फार्मासिस्ट बनना– 1948 के तहत फार्मासिस्ट के रुप में पंजीकरण के लिए ये योग्यताएँ जरूरी हैं–

(1) डिप्लोमा इन फार्मेसी (डी.फार्म),

(2) बैचलर ऑफ फार्मेसी (बी.फार्म),

(3) फार्म की पोस्ट बैचलरेट।

प्रतिष्ठित फार्मा कॉलेज–

(1) एनआईपीईआर, मोहाली,

(2) बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी,कलीना, मुम्बई,

(3) एलएम कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अहमदाबाद,

(4) डिपार्टमेण्ट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस, डॉ. एचएस गौर यूनि., सागर म.प्र.।

कैरियर के मौके–

कोर्स	अवधि	योग्यता	अवसर
डी.फार्म	2 साल	पीयूसी/+2	रिटेल फार्मेसी, हास्पिटल फार्मेसी
बी.फार्म	4 साल	पीयूसी/+2	क्वालिटी एस्योरेंस, मार्केटिंग एन्ट्रप्रिन्योरशिप
फार्मेसी पोस्ट	3 साल	बी.फार्म	हॉस्पिटल/ बैचलरेट क्लीनिक कम्प्यूनिटी फार्मासिस्ट, क्लीनिक रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन्स

2. **फॉरेस्ट मैनेजमेण्ट में कैरियर** – इससे जुड़े कई कोर्स कई University और संस्थाओं में कराये जा रहे हैं। फोरेस्ट्री में B.Sc., Wild Life में M.Sc., Wood, Science and Technology में M.Sc.फोरेस्ट मैनेजमेण्ट में Post Graduate Diploma इसके अलावा Specilization में भी बहुत सारे कोर्स हैं।

कॉलेज–

(1) इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ फोरेस्ट मैनेजमेण्ट, नेहरू नगर, भोपाल (Ph. NO. 0755/2775716),

(2) फोरेस्ट्री रिसर्च इंस्टीट्यूट, देहरादून,

(3) चन्द्रशेखर आजाद एग्रीकल्चर एण्ड टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय, कानपुर, उ.प्र.,

(4) उड़ीसा इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर,

नौकरी–केन्द्रीय मन्त्रालय में नौकरी के लिए इण्डियन पब्लिक सर्विस कमीशन की ओर से आयोजित IFS की परीक्षा उत्तीर्ण करनी होती है।

3. ATMC- एयरफोर्स मटेरियल कमाण्डेड इससे सम्बन्धित कोर्स आर्म फोरसेस मेडीकल कॉलेज पुणे में होता है।

4. MBBS- इसके लिए PMT, AIPMT, CPMT प्री–टेस्ट पास करने होते हैं।

5. क्लीनिकल लेबोरेट्री टेक्नीशियन–ये लोग लेबोरेस्टी टेस्ट करते हैं, जिससे रोग की पहचान, निदान और इलाज में मदद मिलती है।

कोर्स–लैब टेक्नोलॉजी में किये जाने वाले कोर्स–

(1) बीएमएलटी–
बैचलर ऑफ मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नोलॉजी।

(2) डीएमएलटी–
डिप्लोमा इन मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नोलॉजी।

BMLT कोर्स के तहत छात्रों को रक्त, मल, मूत्र, सेरेबोस्पिनल फ्लुइड, सिनोवियल का क्लीनिकल लेबोरेट्री विश्लेषण करने में प्रशिक्षित किया जाता है, ताकि डाक्टरों को रोग की सही पहचान एवं उसके इलाज में मदद मिल सके।

कॉलेज–

(1) ग्राण्ट मेडिकल कॉलेज, डिपार्टमेण्ट ऑफ बायोकेमेस्ट्री, मुम्बई, (DMLT, BPMT)

(2) मीरा बाई पॉलीटेक्निक, महारानी बाग, नई दिल्ली, (MLT)

(3) डॉ. बीआर अम्बेडकर मेडिकल कॉलेज, बैंगलुरु (B.Sc. MLT.)

6. BAMS- बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिकल साइंस।

7. BHMS-बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिकल साइंस।

संकलन–**कु.भावना सोनी (व्याख्याता–रसायन)**

बच्चों की कलम

गुरुकृपा ने बदला जीवन

एक राजा का इकलौता पुत्र, जो बड़ी मन्नतों के बाद पैदा हुआ था, बहुत ही शैतानी दिमाग का था। अभी तो छोटा ही था, पर उसने राजा व प्रजा की नाक में दम कर दिया था। राजा ने बहुत प्रयास किये, परन्तु उसे सुधार नहीं पाया। अन्त में, गुरुदेव के पास जाकर अपना दुःखड़ा रोया।

गुरुदेव बोले ''राजन्! तुम परेशान मत होओ, उसे मेरे पास भेज दो।'' राजा ने वैसा ही किया। गुरुजी राजकुमार को एक बगीचे में ले गये, वहाँ बबूल के चार पौधे दिखाये– एक पौधा एक फुट का, दूसरा दो फुट का, तीसरा चार फुट का, चौथा आठ फुट का था।

फिर बोले ''बेटे! तुम इन चारों पौधों को उखाड़ दो, इनके स्थान पर तुलसी के पौधे लगवाने हैं।''

लड़के ने पहले पौधे को एक हाथ से पकड़कर सहज ही उखाड़ दिया। दूसरे को थोड़ा जोर लगाकर उखाड़ डाला। तीसरे पौधे को उखाड़ने में उसे दोनों हाथ लगाने पड़े और काफी खींचतान भी करनी पड़ी। गुरुजी ने उसकी पीठ थपथपाकर कहा– ''शाबाश! अब चौथे को भी उखाड़ डालो''। लड़के ने चौथे पौधे को दोनों हाथों से कसकर पकड़ा, जोर लगाया, लेकिन पौधा नहीं उखड़ा, साथ ही बबूल के काँटों ने उसे कॉफी कष्ट दिया।

लड़का बोला– '' महाराज! यह तो मुझसे उखड़ता नहीं है।''

गुरुजी ने स्नेह बरसाते हुए राजकुमार के सिर को सहलाया और समझाते हुए कहा– ''बेटे! उखड़ेगा भी नहीं, जड़ें गहरी गयी हैं। हमारी बुरी आदतें भी बबूल के पेड़ जैसी ही हैं। शुरूआत में इन्हें दूर करना आसान होता है, लेकिन जब हम उन आदतों को छोड़ते नहीं हैं, तो उनकी जड़े बहुत गहरी हो जाती हैं और उन्हें बबूल के पौधे की तरह उखाड़ना कठिन हो जाता है और ये ही बुरी आदतें हमें जन्म–जन्मान्तर तक भटकाती हैं। यह वचन सुनकर राजकुमार की आँखें खुल गयीं। इसलिए हमें अपने अन्दर बुरी आदतें नहीं रखना चाहिए एवं गुरु से आदरपूर्वक व्यवहार करना चाहिए।

–हेमन्त यादव, कक्षा–10

''बेटियाँ''

सीता, अनुसुईया, सती, सावित्री सी नारी बन,
भारत के यश को बढा रही हैं, बेटियाँ।
झाँसी वाली रानी और दुर्गावती के सम,
शौर्य की पताका फहरा रही हैं बेटियाँ।
नभ, जल, थल की सुरक्षा में खड़ी अडिग,
पर्वतों की चोटियों पे छा रही हैं बेटियाँ।
ज्ञानी– विज्ञानी बन देश के निर्माण हेतु,
महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहीं हैं बेटियाँ।
बालपन मातृ–पितृ सेवा में बिताती और,
युवा होकर पत्नी धर्म को निभाती बेटियाँ।
माता बन ममता की सरिता बहाती और,
मातृत्व कर्म को निभाती सदा बेटियाँ।
बच्चों को बनाती राम, कृष्ण, गौतम, शिवासा,
देश भक्ति मर्म को निभाती सदा बेटियाँ।
माँ, बेटी, बहन और पत्नी की भूमिका के साथ,
दो कुलों की लाज को निभाती सदा बेटियाँ।
चाहे जिस स्थिति परिस्थति में रहें वह,
नारीत्व का धर्म कभी खोती नहीं बेटियाँ।
माता–पिता कष्ट में हो बेटे आँखे मूँद लेते,
रातों–रात जागती हैं सोती नहीं बेटियाँ।
चाहे जिस रूप या स्वरूप में रही हो किन्तु,
दायित्व विमुख कभी होती नहीं बेटियाँ।
बड़े–बड़े संकटों को मूक सहती हैं पर,
किसी के समक्ष कभी रोती नहीं बेटियाँ।

–कु. माधुरी सेन, कक्षा– 12 (वाणिज्य)

हरियाली

इस बंजर भूमि को, फिर से हरा बनाना है।
एक–एक वृक्ष रोपकर, हमको पुण्य कमाना है।
कल तक बहुत सोच चुके,
पर आज करके दिखाना है।
वरना धरती माता को, आगे चलकर रोना है।
हम तो यारों जाग चुके, अब ओरों को जगाना है।
हमने कदम उठा लिया, अब आपको आगे आना है।
फर्ज क्या है? आज हमें इन फर्जों को निभाना है।
आगे आने वाले जग को, प्रदूषण मुक्त बनाना है।
लुप्त हो रहे जीवों की, संख्या को बढ़ाना है।
खेत–खलियान और वृक्षों से, हरित क्रान्ति लाना है।
हम तो यारो जाग चुके, अब ओरों को जगाना है।
हमने कदम उठा लिया, अब आपको आगे आना है।
जिसने हमें जन्म दिया, हमें उसको ही तो बचाना है।
वृक्ष नहीं तो जग नहीं,
इस बात को आज समझाना है।
वृक्षों पर निर्भर दुनिया है, इनको ही आज बचाना है।
क्यों हो, पीछे छुपे हुए, आज अपनी जान बचाना है।
हमने कदम उठा लिया, अब आपको आगे आना है।
समझो इस बात को तुम, वरना खाक हो जाना है।
पॉलीथिन को त्याग कर, प्रदूषण को दूर भगाना है।
आज हमें आगे आकर अपना कर्त्तव्य निभाना है।
और वृक्ष लगाकर के, जीवन सफल बनाना है।
हम तो यारों जाग चुके, अब ओरों को जगाना है।
हमने कदम उठा लिया, अब आपको आगे आना है।

–कु.शाश्वती हालदार
कक्षा–11 (जीव–विज्ञान)

परिश्रम से कमाया हुआ धन

सिख धर्म के संस्थापक गुरुनानक देव पंजाब प्रान्त में पैदा हुए। मरदाना नामक एक मुस्लिम उनका प्रिय शिष्य था। दोनों धर्म–प्रचार हेतु एक गाँव में गये, वहाँ एक बढ़ई ने उन्हें श्रद्धापूर्वक रोटी भेजी। एक ऊँची जाति वाले धनी व्यक्ति ने उन्हें मिठाईयाँ भेजीं, नानक जी ने मिष्ठान छोडकर रोटी स्वीकार कर ली। इस पर धनी को बहुत क्रोध आया। तब नानक जी ने कहा–संसार में कोई व्यक्ति धन या जाति से ऊँचा नहीं होता है, मनुष्य का आचरण उसे महान बनाता है। धनी मेहनत नहीं करते इसलिए उनका धन अनुचित रूप से इकट्ठा किया हुआ होता है। उनके भोजन में दीन–दुखियों के खून की बूँदें होती हैं। गरीब का धन मेहनत से कमाया हुआ होता है। यह सुनकर धनवान का सारा अभिमान चूर–चूर हो गया।

इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि परिश्रम ही जीवन की असली पूँजी है।

–कु. प्रियंका मिश्रा, कक्षा–11(वाणिज्य)

दस मोती ज्ञान के

जीतने के लिए कोई चीज है तो – प्रेम,
पीने के लिए कोई है चीज तो – क्रोध,
खाने के लिए कोई चीज है तो – गम,
देने के लिए कोई चीज है तो – दान,
दिखाने के लिए कोई चीज है तो – दया,
लेने के लिए कोई चीज है तो – ज्ञान,
कहने के लिए कोई चीज है तो – सत्य,
रखने के लिए कोई चीज है तो – इज्जत,
फेंकने के लिए कोई चीज है तो – ईर्ष्या,
छोडने के लिए कोई चीज है तो – मोह।

दोस्ती

दोस्ती का पहला अक्षर दो है, जिसका मतलब है –दोस्ती के दो पक्षों की जरुरत होती है। दोस्ती के लिए दोनों पक्षों की ओर से एक–दूसरे पर अटूट विश्वास होना चाहिए, क्योंकि बिना विश्वास के दोस्ती हो ही नहीं सकती। दोस्ती में स्वार्थ व बेईमानी नहीं होना चाहिए। दोस्ती वह है, जिसमें एक दोस्त दूसरे दोस्त की बुरी आदतों को दूर करे व अच्छी राह पर चलने के लिए प्रेरित करे व अपने दोस्त के साथ कदम–से–कदम मिलाकर चले और जो अपने दोस्त के हर सुख–दुःख में साथ दे। कभी–कभी दोस्त इतनी मजबूत हो जाती है कि दोस्त एक–दूसरे के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर देते हैं।

–विकास गुप्ता, कक्षा–6

गृहस्थ–गीता

आतिथ्य ही घर का वैभव है।
प्रेम ही घर की प्रतिष्ठा है।
व्यवस्था ही घर की शोभा है।
समाधान ही घर का सुख है।
सदाचार ही घर की सुवास है।
ऐसे घर में सदा प्रभु का वास है।
ऋण हो, ऐसा खर्च मत करो।
क्लेश हो, ऐसा मत बोलो।
पाप हो, ऐसी कमाई मत करो।
चिन्ता हो, ऐसा जीवन मत जियो।
रोग हो, ऐसा मत खाओ।

–कु. मोहिनी ठाकुर

काले मेघा

काले मेघा पानी दे,
पानी दे गुड़ धानी दे।
बरसो खूब झमा–झम–झम,
नाचे मोर छमा–छम–छम।
भर दे सारे ताल–तलैया,
गायें सब मिल छम्मक–छैया।
पानी दे जिन्दगानी दे,
काले मेघा पानी दे।

–कु. साक्षी रघुवंशी, कक्षा– 6

विचार कीजिये

गुस्सा– अक्ल को खा जाता है।
अहंकार– मन को खा जाता है।
प्रायश्चित– पाप को खा जाता है।
लालच– ईमान को खा जाता है।
चिन्ता– आयु को खा जाती है।
रिश्वत– इन्साफ को खा जाती है।
दुनिया का सबसे बढ़िया जेवर– आपकी मेहनत है।
दुनिया का सबसे अच्छा साथी –
आपका अपना निश्चय है।

–कु. सोनी शर्मा, कक्षा–8

भारत देश महान् है

सब देशों में सबसे ज्यादा, भारत देश महान् है।
अटल हिमालय और तिरंगा, इसकी ही पहचान है।
गौ–गंगा, गीता–गायत्री, ये सब इसकी शान है।
राम–कृष्ण की जन्मभूमि, यहाँ बुद्ध का ज्ञान है।
सब धर्मों के लोग यहाँ पर, बड़े प्यार से रहते हैं।
चाहे सुख हो, चाहे दुःख हो,
मिल–जुल कर ही रहते हैं।

–कु. आकांक्षा चौधरी, कक्षा– 8

अपना ज्ञान बढ़ायें

ज्ञान की बातें

वेद–शास्त्रों से आदि सनातन–धर्म सबसे प्राचीन व प्रमुख है और इसमें भी श्री रामचरित मानस (रामायण) का उदाहरण–मात्र मानव–जीवन को सुसंस्कृत बनाता है। अतः, इसका अध्ययन होना परमआवश्यक है, अन्यथा जीवन सब कुछ प्राप्त होने के बाद भी मानस को अन्त में पश्चात्ताप के अलावा कुछ नहीं मिलता, क्योंकि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचन्द्र भगवान् का जीवन मनुष्य लीला है।

सकल पदारथ है जगमाही।
कर्महीन नर पावत नाहीं।

भावार्थ– संसार में सभी प्रकार के पदार्थ (धन–सम्पदा) है परन्तु जो मनुष्य कर्म नहीं करता, वह कुछ प्राप्त नहीं कर पाता है।

जाकी रही भावना जैसी।
प्रभु मूरत देखी तिन तैसी।

भावार्थ– जो जैसा भाव रखता है, उसे भगवान उसी रूप में दिखते हैं।

कर्म प्रधान विश्व कर राखा।
जो जस करहीं तो तस फल चाखा।

भावार्थ–इस संसार में कर्म ही प्रधान (प्रमुख) है, जो जैसा करता है, वैसा ही फल वह अपने जीवन में भुगतता है (अच्छा या बुरा)।

आब नहीं आदर नहीं, नैनन नहीं स्नेह।
तुलसी तहाँ न जाइये, चाहै कंचन बरषे नेह।

भावार्थ– जहाँ पर भी आप का सम्मान न हो, वहाँ नहीं जाना चाहिए। चाहे, वहाँ पर सोने की ही वर्षा क्यों न हो रही हो।

–शिवम रघुवंशी, कक्षा–7

स्वतन्त्रता-आन्दोलन

(1) जेल में भूख–हड़ताल के कारण किस प्रसिद्ध स्वतन्त्रता–सेनानी की मृत्यु हुई?
(2) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का पहला मुस्लिम अध्यक्ष कौन था?
(3) 1919 में दिल्ली में हुए अखिल भारतीय खिलाफत सम्मेलन का अध्यक्ष कौन था?
(4) फ्री इण्डिया सोसायटी की स्थापना किसने की?
(5) जय हिन्द का नारा किसने दिया था?

उत्तर– (1) यतीन्द्रनाथ (2) बदरुद्दीन तैयबजी (3) शौकत अली (4) सी.राजगोपालाचारी (5) सुभाषचन्द्र बोस।

–अनिरुद्ध बघेल, कक्षा–8

मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश का राजकीय वृक्ष	–	बरगद,
मध्यप्रदेश का राजकीय पुष्प	–	लिली,
मध्यप्रदेश का राजकीय पशु	–	बारहसिंगा,
मध्यप्रदेश का राजकीय पक्षी	–	दूधराज,
मध्यप्रदेश का राजकीय खेल	–	मलखम्ब,
मध्यप्रदेश का गठन	–	01.11.1956,
मध्यप्रदेश का पुनः गठन	–	01.11.2000 मध्यप्रदेश में
जिले	–	50,
राज्य का नया सम्भाग	–	शहडोल,
राज्य की तहसील	–	342,
राज्य का लिंग–अनुपात	–	930,
विकास–खण्ड	–	313,
राज्यपाल	–	रामनरेश यादव,
मध्यप्रदेश में राज्यसभा की सीटें	–	11,
मध्यप्रदेश में विधानसभा की सीटें	–	230,
मध्यप्रदेश में लोकसभा की सीटें	–	29,

–कु. संगम रघुवंशी, कक्षा–8

कुछ महत्त्वपूर्ण दिवस

1. विश्व –पर्यटन–दिवस – 27 सितम्बर,
2. विश्व–डाक–दिवस – 8 अक्टूबर,
3. विश्व–एड्स–दिवस – 1 दिसम्बर,
4. विश्व–विकलांग–दिवस – 15 मई
5. विश्व–पर्यावरण–दिवस – 5 जून,
6. विश्व–रेडक्रोस–दिवस – 8 मई,
7. विश्व–जनसंख्या–दिवस – 11 जुलाई,
8. विश्व–स्वास्थ्य–दिवस – 7 अप्रैल,
9. विश्व–वन–दिवस – 21 मार्च,
10 डॉक्टर्स–दिवस – 1 जुलाई,
11 शहीद–दिवस – 30 जनवरी,
12. विज्ञान–दिवस – 28 फरवरी।

–कु.नीलू रघुवंशी, कक्षा–12 (वाणिज्य)

" यह भी जानें"

1. मनुष्य का साथ कौन देता है?– धैर्य,
2. आकाश से भी ऊँचा कौन है?– पिता,
3. हवा से भी तेज चलने वाला कौन है?–मन,
4. घास से भी तुच्छ कौन–सी चीज होती है?– चिन्ता,
5. विदेश जाने वाले का साथी होता है?– विद्या,

–कु.संगम रघुवंशी, कक्षा–8वीं

भारत में सबसे ऊँचा, सबसे बड़ा

1. सबसे ऊँचा पर्वत–शिखर – काराकोरम पवर्त,
2. सबसे लम्बी नदी – गंगा नदी,
3. सबसे ऊँचा झरना – जोग प्रपात,
4. सबसे बड़ी झील – बूलर,
5. सबसे बड़ा राज्य – राजस्थान (क्षेत्रफल),
6. सबसे बड़ा राज्य – उत्तरप्रदेश(जनसंख्या),
7. सबसे बड़ा डेल्टा – सुन्दर वन,
8. सबसे बड़ी मस्जिद – जामा मस्जिद।

–कु. अनुजा जानोरिया, कक्षा–9

पहेलियाँ

1. एक गुफा के दो रखवाले,
   दोनों लम्बे दोनों काले।
2. मेरे नाम से सब हैं डरते,
   मेरे लिए मेहनत हैं करते।
3. गोल–गोल चेहरा,
   पेट से रिश्ता गहरा।
4. न देखे न बोले,
   फिर भी भेद खोले।
5. लम्बी पूँछ पीठ पर रेखा,
   दोनों हाथों खाते देखा।
6. क्षण–भर प्रकाश डालता हूँ,
   सब कुछ मैं देख लेता हूँ,
   जो देखा वह दिखाता हूँ,
   बताओ बच्चों मैं कौन हूँ।
7. लाल–लाल आँखें,
   लम्बे–लम्बे कान,
   रुई का फुहा–सा,
   बोलो क्या है नाम?

उत्तर– 1. मूँछें 2. परीक्षा, 3. रोटी, 4. पत्र, 5 गिलहरी, 6. कैमरा, 7. खरगोश।

–कु. करीना रघुवंशी, कक्षा–7

आज का मनुष्य

आश्रय देने पर सिर चढ़ जाता है।
आदर करने पर खुशामद समझता है।
विश्वास करने पर हानि पहुँचाता है।
प्यार करने पर आघात करता है।
उपदेश देने पर मुड़कर बैठता है।
उपकार करने पर दुर्बल समझता है।
क्या यह चरित्र उचित है?

–कु. ज्योति दाँगी
कक्षा–12 (वाणिज्य)

सरस्वती–वन्दना

हे! शारदे माँ, करदे दया तू
जीवन सफल हम अपना बनायें।
विद्या की देवी बिन विद्या के
जीवन हमारे निरर्थक न जायें।
तू जग जननी सबकी माता,
तू ही हमारी भाग्य–विधाता।
भाग्य उदय हो हमारा भी इतना,
ज्ञान की गंगा हम भी बहायें।
गीत तुम्हारे स्वर भी तुम्हारे,
तेरे भरोसे जीवन है सारा।
सब जग तेरी छाया है माता,
तेरे बिन पत्ता हवा न डुलाये।
हम गण तेरे करें सेवकाई,
जन–मानस की करते भलाई।
विद्या की ज्योति जग मे जलायें,
अशिक्षा के तम को दूर भगायें।

–रचनाकार–सीताराम अहिरवार
(प्रधान अध्यापक शास.मा.शाला, मलकपुर)
–संकलन–विशाल वर्मा, कक्षा– 9

चुटकुले

1. अध्यापक– आगे कुआँ, पीछे खाई क्या मतलब है?
छात्र–इसका मतलब सड़क गलत जगह पर बनायी गयी है।
2. दो मूर्ख नाव में जा रहे थे।
पहला– अरे! यार नाव में छेद हो गया है। नाव के अन्दर पानी आ रहा है।
दूसरा– अरे! कोई बात नहीं, इस में दूसरा छेद कर देते हैं, पानी उससे निकल जायेगा।
3. सन्ता–यार आज मेरा वजन दो किलो कम हो गया है।
बन्ता–जरूर आज तुम नहाये होगे।
4. सन्ता–अब बुखार का क्या हाल है?
बन्ता–बुखार तो टूट गया, कमर में दर्द है।
सन्ता– घबराओं नहीं! ईश्वर करेगा तो, वह भी टूट जायेगी।
5. मामू मुन्ना से– तू कितना पढ़ा है?
मुन्ना–बी.ए.
मामू–दो अक्षर ही पढ़े और वह भी उल्टे।

–कु. अनुजा जानौरिया, कक्षा–9

भारत–भूमि

आँख खोलकर सुबह–सुबह मैं मन में कहता हूँ।
प्रभु तेरा उपकार कि मैं भारत में रहता हूँ।
मेरी मातृभूमि है भारत, मैं भारत के योग्य बनूँ,
मातृभूमि की प्रकृति, पुरुष,
पशु सबको अपना सगा गिनूँ।
इनका दुःख अपना दुःख मानूँ,
इनके सुख को सुख अपना,
प्रभु ऐसा बल दो कि कर सकूँ,
पूरा बापू का सपना।
भारत के जल–पवन–अन्न, माटी में पलता हूँ,
प्रभु तेरा उपकार कि मैं भारत में रहता हूँ।

–कु. भाव्या दुबे, कक्षा–4

बेटियाँ

ओस की बूँद–सी होती हैं बेटियाँ।
माता–पिता की प्यारी,
दादा की दुलारी होती हैं बेटियाँ।
माँ–बाप के दर्द में हमदर्द होती हैं बेटियाँ।
रौशन करेगा बेटा तो एक कुल को,
दो–दो कुल की लाज होती हैं बेटियाँ।
हीरा अगर है बेटा, तो मोती हैं बेटियाँ।
कहने को परायी अमानत होती हैं बेटियाँ।
पर बेटों से भी अपनी होती हैं बेटियाँ।
विधी का विधान है यही, समाज की है परम्परा,
अपने प्रियों को छोड़, पिया के घर जाती हैं बेटियाँ।

–कु. भारती रघुवंशी, कक्षा–7

DOLPHIN

Word of Wisdom

Love conquers all. - Virgil
Too much rest is rust. - Sir walter scott.
The pen is the tongue of the mind. - Cervantes
Healthy mind resides in a healthy body. - Unknown.
Our job is not to set things right but to see them right. - Eric Butterworth
One good head is better than a hundred strong hands. - Thomas fuller.
A little knowledge is a dangerous things. - Alexander Pope

-Deepesh Sahu, Class- 7th

The Qualities of leadeship

To become a leader in any organisation.
We need to have the below skills mentioned.

1- Sincere and hard worker.
2- Good communication skills.
3- Good People managment skills.
4- Good Product knowledge.
5- Good leadership skills.
6- Creative Ideas.
7- Problem solving skills.
8- Decision making skills.
9- Commitment to the deadline.
10- Customer satisfaction.
12- Effective utilization of opportunity.

-Ku. Pragya Rajput
Class 7th

GANDHI

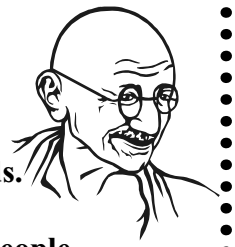

G = Great Gandhi
A = A Great leader.
N = No say bad words.
D = Don,t quarrels.
H = Help the durse people.
I = I love my India.

-Saksham Jain
Class-6th

My Mother

Hundred of Stars,
in the pretty sky.
Hundreds of shells,
on the shore together.
Hundred of birds,
that go singing by.
Hundreds of lambs,
in the sunny weather.
Hundred of dewdrops,
to great the down.
Hundred of bees,
in the purples clover.
Hundred of butterflies,
on the lawn.
But only one mother,
the wide world over.

- Ku. Richa mathur
Class- 8th

Galaxies

A hundred billion galaxies exist on universe. Each consists of a vast collection of stars, gas and dust. They started life thousands of millions of years ago, slowly forming into distinctive shapes. Each galaxy can contain billions of stars. Gravity keeps the stars together and keeps the galaxies in clusters.

-Dhruv Upadhyay
Class-6th

मनुष्य में शक्ति की कमी नहीं होती, वरन् संकल्प की कमी होती है।

Few More Great Inventions.

Invention	Invertor	Country	years
Bicycle	K.Macmillan	Britain	1839
Barometer	E.Torricelli	Italy	1644
Diesel Engine	Rodolf Diesel	Germany	1895
Dynamo	Michael Faraday	England	1831
Electric Iron	H.W. Seely	U.S.A.	1882
Computer Science	A.M. Turing	U.S.A.	1824
Lift	E.G. Otis	U.S.A.	1852
Microphone	Graham Bell	U.S.A.	1876
Microscope	Z. Janssen	Netherlands	1519
Car (Petrol)	Karl Benz	Germany	1888
Parachute	F. Blanchard	France	1785
Telegraph code	Samuel Morse	U.S.A.	1837
Thermometer	G.D. Fahrenheit	Poland	1709
Typewriter	C.I. Sholes	U.S.A.	1868
X-ray machine	Wilhelm Roentgen	Germany	1895

-Ankit Diwakar, Class-7th

LAWS OF SUCCESS

The great sin - Gossip
The best action - keep the mind clear and judge good.
The biggest fool - The man who lies to him self
The greatest victory - Victory over self.
The best play - successful work.
The greatest loss - Loss of self confidence.
The greatest need - Common sense.
The most potent force - Positive thinking.
The most certain thing in life - change
The most dangerous man - The lier.

-Sumit Raghuwanshi, Class-6th

घोड़ा

अगर कहीं मैं घोड़ा होता,
वह भी लम्बा चौड़ा होता।
तुम्हें पीठ पर बैठा करके,
बहुत तेज मैं दौड़ा होता।
पलक झपकते ही ले जाता,
दूर पहाड़ों की वादी में,
बातें करता हुआ हवा से,
बियाबान में आबादी में।

कु. दिव्या श्रीवास्तव
कक्षा–4

नन्ही कूची

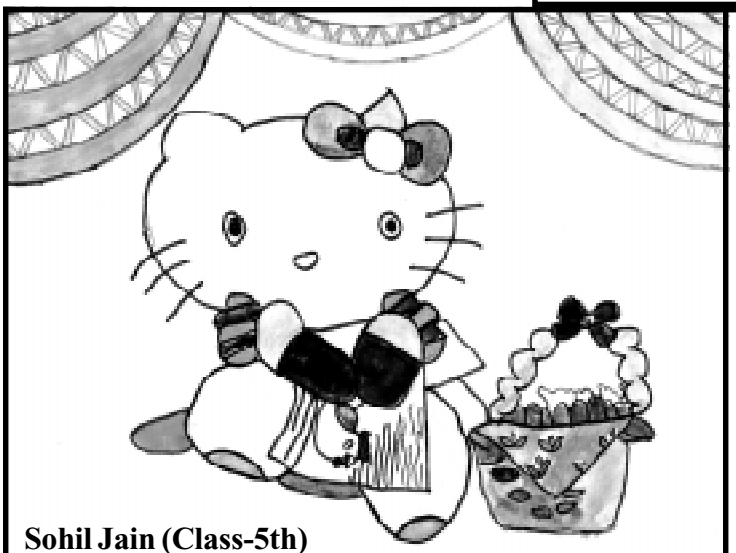

Sohil Jain (Class-5th)

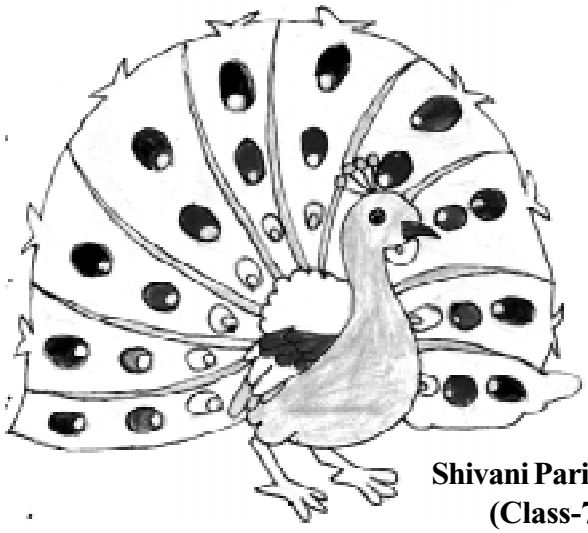

Shivani Parihar
(Class-7th)

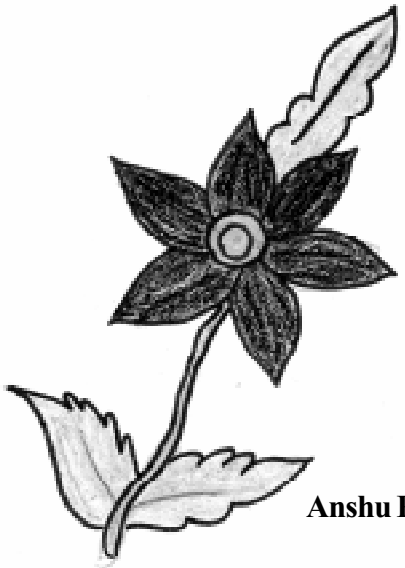

Anshu Raghuwanshi
(Class-5th)

Vaishali Vyas
(Class-3rd)

Nishika Jain
(Class-6th)

Deepak Gupta

पूरी दुनिया में केवल एक ही अच्छाई है ज्ञान और एक ही बुराई है अज्ञानता। (संकलन–ज्योति दाँगी, कक्षा–12 वाणिज्य)